पुण्य स्मरण: महादेवी वर्मा, गजानन माधव मुक्तिबोध—11-09-2017

साहित्य हमें नई राह दिखाता है : वैष्णव

भखारा कॉलेज मनी कवि मुक्तिबोध की पुण्यतिथि

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भखारा. शासकीय महाविद्यालय में छायावाद की प्रमुख स्तंभ महादेवी वर्मा तथा प्रगतिशील कवि मुक्तिबोध की पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर विविध कार्यक्रम आयोजित किया गया।

हिंदी विभागाध्यक्ष कविता वैष्णव ने कहा कि साहित्य हमें नई राह दिखाता है। महादेवी जहां गुलाम भारतवर्ष में स्त्री मुक्ति और देशभक्ति की स्वर हैं, वहीं मुक्तिबोध आजाद भारत मे आए कथनी और करनी के अंतर को दिखाते हुए ज्ञानात्मक संवेदन और संवेदनात्मक ज्ञान के रचनाकार हैं। प्राचार्या डॉ चन्द्रकान्ता शर्मा ने कहा कि अपने जीवन मे पूर्णता प्राप्त करने के लिए साहित्य का अध्ययन जरूरी है। साहित्य एक ऐसा माध्यम है, जो जीवन को सहज, सरल और रचनात्मक आयामों से जोड़ता है। महादेवी और मुक्तिबोध के साहित्य से जुड़ना भारत की संस्कृति और प्रतिरोध परम्परा से जुड़ना है। इस आयोजन की विशेष बात यह रही कि छात्र छात्राओं ने दोनों साहित्यकारों की चुनिंदा पंक्तियों को पोस्टर का रूप दिया और उनकी कविताओं का पाठ किया। एमए के छात्र धर्मेंद्र कुमार और लोकेश्वर राव की टीम ने मुक्तिबोध की अमर कविता अंधेरे में का और बीएसी की छात्रा कविता ने मुझे कदम कदम पर कविता का सस्वर पाठ किया। इस अवसर परर छात्रों ने मुक्तिबोध के जीवन पर आधारित रेडियो रूपक और महादेवी के जीवन को व्यक्त करता लघु फ़िल्म का प्रदर्शन भी किया। कार्यक्रम का संचालन हिन्दी के सहायक प्राध्यापक डॉ भुवाल सिंह ठाकुर ने किया। कार्यक्रम में प्रोफेसर प्रदीप, प्रोफेसर किशोर, अविनाश, यशवंत, दिनेश समेत छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

हिन्दी दिवस–2017

हिन्दी हैं हम वतन है, हिन्दोस्ताँ हमारा।
हिन्दी दिवस

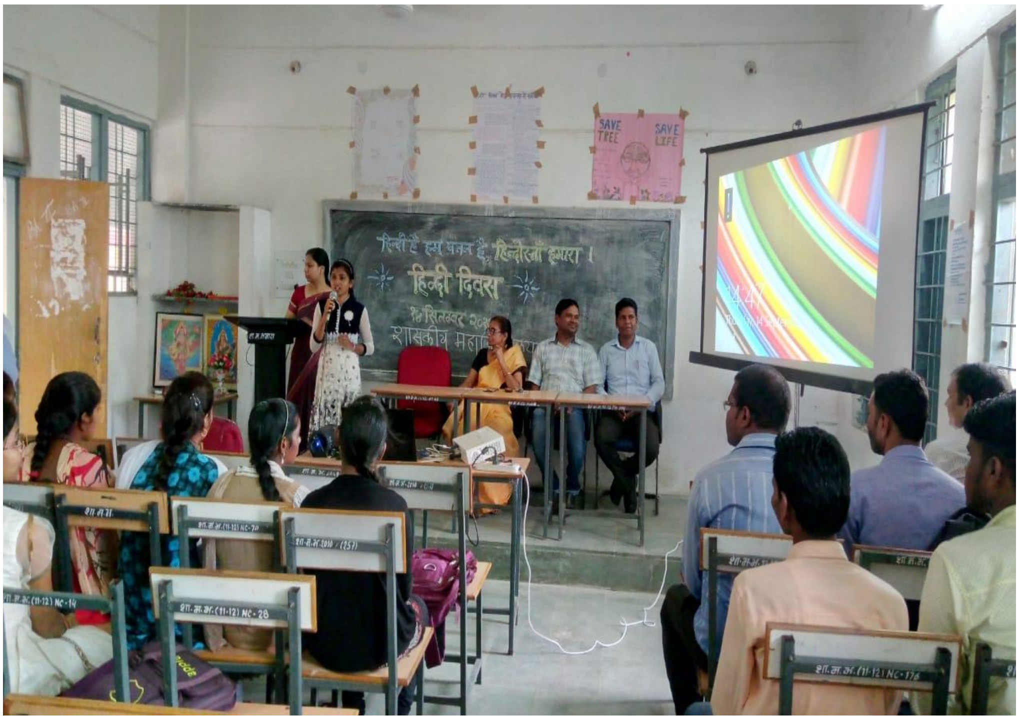
हिन्दी हैं हम वतन है, हिन्दोस्ताँ हमारा।
हिन्दी दिवस
SAVE TREE
SAVE LIFE

हिंदी दिवस सप्ताह -14/09/2017 से 23/09/2017

1-एकल व्याख्यान- विज्ञान और हिंदी

डॉ.अविनाश निचट- 15/09/2017

2-आशु कविता लेखन प्रतियोगिता- 16/09/2017

3-डाक्यूमेंट्री फ़िल्म प्रदर्शन-रामधारी सिंह दिनकर- 18/09/2017

4-डाक्यूमेंट्री फ़िल्म प्रदर्शन-हरिवंशराय बच्चन-19/09/2017

5-डाक्यूमेंट्री फ़िल्म प्रदर्शन-सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'-20/09/2017

6-डाक्यूमेंट्री फ़िल्म प्रदर्शन-नागार्जुन-21/09/2017

7-डाक्यूमेंट्री फ़िल्म प्रदर्शन-प्रेमचन्द- 22/09/2017

8-पोस्टर प्रतियोगिता/कवितापाठ- 23/09/2017

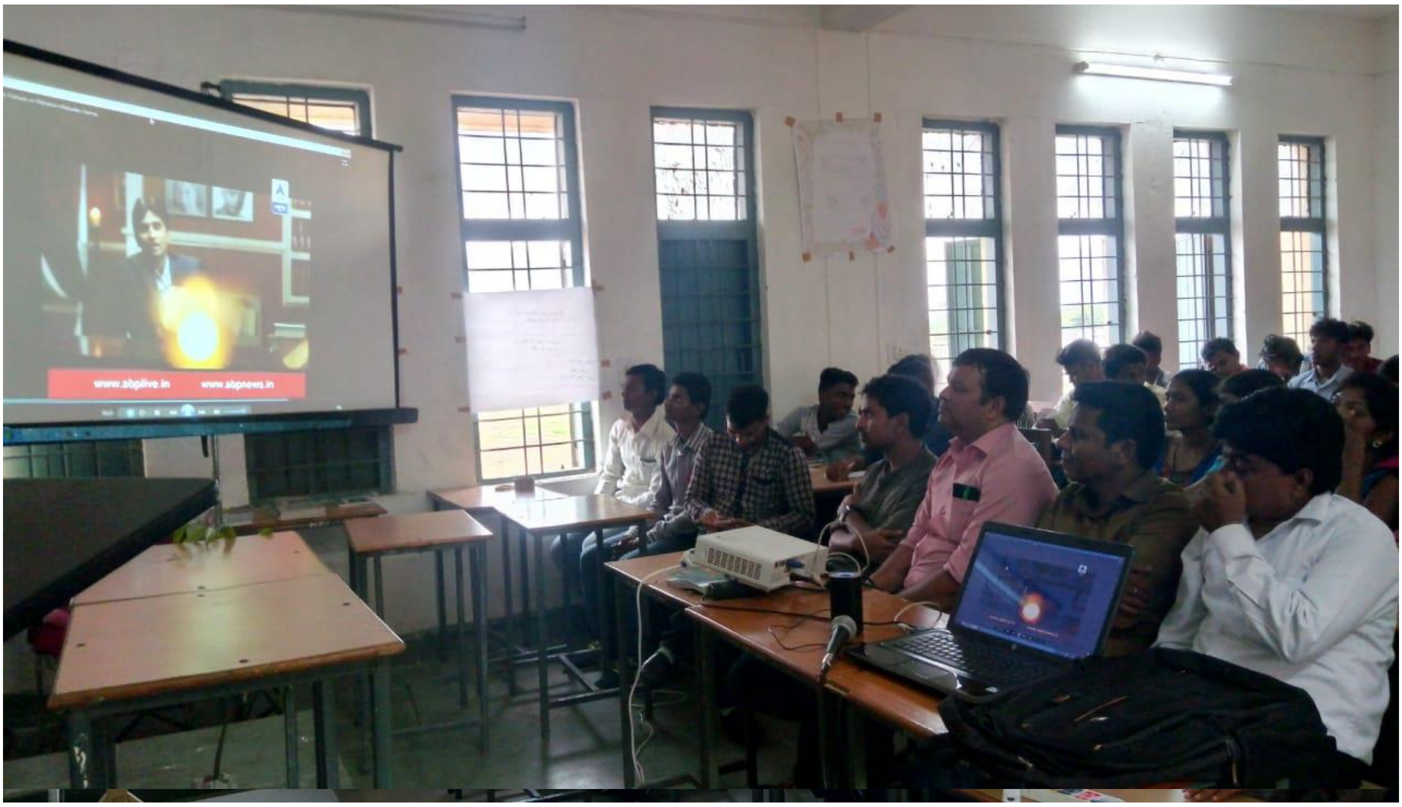

SAVE TREE
SAVE LIFE
हिन्दी दिवस
"विज्ञान और हिन्दी"
शासकीय
15:19

" हिन्दी-सप्ताह "
आशु कविता लेखन
प्रतियोगिता

SAVE LIFE
महाकवि
रामधारी सिंह दिनकर
23/09/1908 - 24/04/1974

नमन अनुपम मिश्र- 19/12/2017

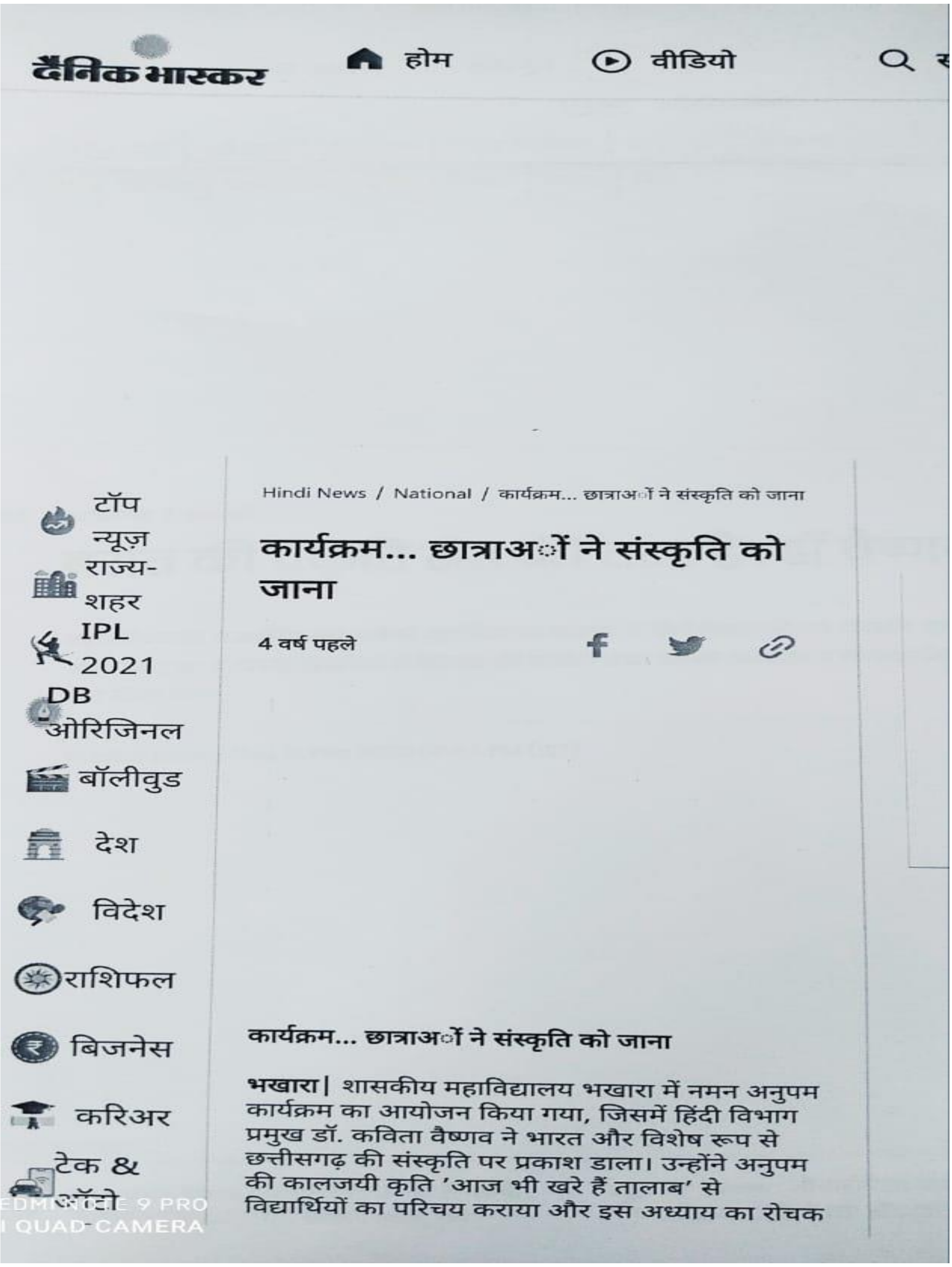

दैनिक भास्कर

होम वीडियो

टॉप न्यूज़
राज्य-शहर
IPL 2021
DB ओरिजिनल
बॉलीवुड
देश
विदेश
राशिफल
बिजनेस
करिअर
टेक & ऑटो

Hindi News / National / कार्यक्रम... छात्राअों ने संस्कृति को जाना

कार्यक्रम... छात्राअों ने संस्कृति को जाना

4 वर्ष पहले

कार्यक्रम... छात्राअों ने संस्कृति को जाना

भखारा| शासकीय महाविद्यालय भखारा में नमन अनुपम कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें हिंदी विभाग प्रमुख डॉ. कविता वैष्णव ने भारत और विशेष रूप से छत्तीसगढ़ की संस्कृति पर प्रकाश डाला। उन्होंने अनुपम की कालजयी कृति 'आज भी खरे हैं तालाब' से विद्यार्थियों का परिचय कराया और इस अध्याय का रोचक

REDMI NOTE 9 PRO
AI QUAD CAMERA

तालाब

शासकीय महाविद्यालय भखारा (धमतरी)
नमन अनुपम मिश्र जी
12-2017

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला जयंती- 22/01/2018

कबीर जयंती- 01/07/2018

कबीर ने भक्तिकाल को नई रोशनी दी : डॉ.चंद्रकांता

शासकीय महाविद्यालय भखारा में हिंदी साहित्य के सुप्रसिद्ध कवि और समाज सुधारक कबीर की 620वीं जयंती मनाई गई। इस दौरान सभी ने कबीर के जीवन से जुड़े तथ्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विभाग प्रमुख डॉ.कविता वैष्णव ने आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि साहित्यकारों के व्यापक सरोकार से महाविद्यालयीन विद्यार्थियों को जोड़न

Publish Date: | Wed, 04 Jul 2018 03:43 AM (IST)

नईदुनिया

भखारा। नईदुनिया न्यूज

शासकीय महाविद्यालय भखारा में हिंदी साहित्य के सुप्रसिद्ध कवि और समाज सुधारक कबीर की 620वीं जयंती मनाई गई। इस दौरान सभी ने कबीर के जीवन से जुड़े तथ्यों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में विभाग प्रमुख डॉ.कविता वैष्णव ने आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि साहित्यकारों के व्यापक सरोकार से महाविद्यालयीन विद्यार्थियों को जोड़ना है। अपने समय,समाज और देश के प्रति विवेक बोध जगाना है, जिससे विद्यार्थी के मन में मनुष्यता का स्थायी बोध जागे। संस्था प्रमुख प्राचार्य डॉ.चन्द्रकान्ता शर्मा ने कहा कि कबीर अपने आलोक धर्मा व्यक्तित्व से भक्तिकाल को नई रोशनी दी। इस रोशनी में एक तरफ रुढ़ियों, पाखंड, कथनी करनी के अंतर की भर्त्सना है। तो दूसरी ओर धर्म,जाति, सम्प्रदाय से रहित मनुष्य के आचरण की पवित्रता संबंधी जीवन मूल्य हैं। इस अवसर पर मुख्य वक्ता विंध्यवासिनी महाविद्यालय सनौद के प्राचार्य प्रीतराम साहू ने कबीर को प्रश्न का और तुलसी को उत्तर का कवि कहा। उन्होंने कबीर संबंधी शोध पर प्रकाश डालते हुए आचार्य शुक्ल,हजारी प्रसाद द्विवेदी, रवीन्द्रनाथ टैगोर, एजरा अंडरहिल, श्याम सुंदर दास, नामवर सिंह, पुरुषोत्तम अग्रवाल के कार्य पर संक्षिप्त प्रकाश डाला। कार्यक्रम में डॉ. भुवाल सिंह ठाकुर, डॉ. संजय शर्मा, डॉ. एलआर डोंगरे, आनंद सोनी, दिनेश नाग, डॉ. प्रदीप जांगड़े, डॉ. अविनाश निचत, यशवन्त वैष्णव, रामकिशोर यादव उपस्थित थे।

Ads by Jagran.TV

प्रेमचंद जयंती–01.08.2018

गुरू पर्व और प्रतिभा सम्मान :– 09.08.2018

भखारा कॉलेज में गुरु पर्व और प्रतिभा सम्मान उत्सव मना

हरिभूमि न्यूज ▶▶|कुरूद

शासकीय महाविद्यालय भखारा के हिंदी साहित्य विभाग के विद्यार्थियों द्वारा गुरु पर्व एवं राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण छात्रा कु. देवश्री एवं पायल का सम्मान किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम हिंदी विभाग प्रमुख डॉ. कविता वैष्णव ने कहा कि गुरु जीवन का दिशाबोधक होता है। हमारा जीवन दर्शन गुरु के ज्ञान से निर्मित होता है। डॉ. वैष्णव ने गुरुपर्व के अवसर में अपने विद्यार्थी जीवन के गुरुओं को याद किया और कहा कि आज मैं जो भी हूँ,गुरुओं के आशीर्वाद के कारण हूँ। दोनों राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण बेटियों को बधाई। इस कार्यक्रम में हिंदी विभाग के विद्यार्थियों में से देव श्री और पायल ने अपनी सफलता की कहानी बताई। केशरी, मधु, तुलसा, फुलेश्वरी, मोहिनी ने गुरु से सम्बंधित अपनी यादें साझा किया। कार्यक्रम में अगला वक्तव्य डॉ. भुवाल सिंह ने दिया। उन्होंने कहा कि गुरु के प्रति प्रीति और प्रतीति जरूरी है। उन्होंने चाणक्य को याद करते हुए उनके कथन को अवतरित किया-/"राष्ट्र का

उत्थान और पतन शिक्षक के हाथों में झूलता है। कार्यक्रम का सफल संयोजन लोकेश्वर साहू एवं लोकेश्वर राव ने किया।

Pride of I

OSAKA
JOHNSON MARBLE&QUARTZ
Kajaria
VARMORA
विजय शांडिल्य
विजय टाईल्स एण्ड सेनेटरी
टाईल्स
मार्बल
ग्रेनाइट
काला पत्थर
खपरा टाईल्स
सेनेटरी
नल सामान
स्टेट बैंक के बाजू, रत्नाबांधा रोड, धमतरी मो.9826635477, 8602035477

भारतेंदु जयंती का आयोजन :– 09.09.2018

कॉलेज में भारतेंदु जयंती का आयोजन

कुरूद. गत दिनों शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भखारा में भारतेंदु हरिश्चन्द्र जयंती के अवसर पर उनका पुण्य स्मरण किया गया. इस अवसर पर सर्वप्रथम हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. कविता वैष्णव ने भारतेन्दु के जीवनवृत्त एवं रचनाकर्म पर प्रकाश डाला. साथ ही उन्होंने कहा कि भारतेंदु की रचनाएं आधुनिक भावबोध की रचनाएं है जिसमें भारतीय जनता की आशा -आकांक्षा झलकती है. भारतेंदु आधुनिक हिंदी साहित्य के निर्माता और भारतीय समाज में सामंतीय रूढ़ियों और विदेशी साम्राज्यवाद के विरूद्ध प्रतिरोध के प्रतीक थे. भारतेंदु हरिश्चन्द्र के साहित्य के पाठ से गुजरना हिंदी की उस विकशनशील परम्परा की जीवन्त यात्रा से गुजरना है जिसके पड़ाव में स्त्री, किसान, बेबस हिंदी समाज की जनता और इन सबसे अलहदा एक ऐसा भारतेंदु का वैश्विक विजन मिलेगा जिसमें भारत के समाज संशोधन और देशवत्सलता की ज्योति पुंज जगमगा रही है. इस अवसर पर हिंदी के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. भुवाल सिंह ठाकुर ने भारतेंदु के हंसमुख गद्य और उनकी देशभक्ति के विभिन्न आयामों पर विस्तार से प्रकाश डाला. बाबू ब्रजरत्नदास, डॉ. रामविलास शर्मा, वसुधा डालमिया, नामवर सिंह, मैनेजर पांडेय, सुधीरचन्द्र, वीरभारत तलवार जैसे विद्वानों को उद्धृत करते हुए डॉ. ठाकुर ने कहा कि भारतेंदु नाटक जैसे सर्वाधिक लोकतांत्रिक विधा को चुनकर एक ओर हिंदी नवजागरण को जनसामान्य तक पहुंचाया तो दूसरी ओर अपने समानधर्मा साहित्यकारों को एकजुट कर देश में साहित्य को जनसमूह के हृदय का विकास का पर्याय भी बना दिया. आज जब लोग लोकजीवन, लोकभाषा और अपनी देशी पहचान से च्युत हो रहे हैं तब भारतेंदु काल का साहित्य हमें स्वत्वबोध से सम्पन्न होने की मशाल दिखा रहा है. इस अवसर पर महाविद्यालयीन विद्यार्थियों की उत्साही उपस्थिति अपने साहित्यकार के प्रति निष्ठा का निदर्शन कराया.

कॉलेज में लोगों को मताधिकार के लिए किया गया प्रेरित

मगरलोड. शासकीय महाविद्यालय मगरलोड में कार्ययोजना के तहत विद्यार्थी द्वारा भय एवं लालच से मुक्त होकर मताधिकार का प्रयोग करने एवं अन्य लोगों को मतदान हेतु प्रेरित करने के संबंध में शपथ दिलाया गया. उक्त कार्यक्रम महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. घनश्याम देवांगन के निर्देशन में किया जा रहा है. कार्यक्रम में स्वीप प्रभारी योगराज साहू, कौसलेश कुमार ध्रुव, ओंकार प्रसाद साहू, एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थी उपस्थित रहे.

हिंदी दिवस -14/09/2018

हिन्दी भाषा है एक जीवन प्रणाली

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

बोरझरा. हिन्दी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित प्राध्यापक।

बोरझरा. शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भखारा में हिन्दी दिवस मनाया गया। प्राचार्या डॉ चन्द्रकान्ता शर्मा ने कहा कि मातृभाषा और मातृभूमि का मान ही देशभक्त होने की निशानी है। इसलिए छात्र-छात्राओं को हिन्दी से दूर नहीं भागना चाहिए। अपने जीवन व्यवहार में इसे शामिल करें। हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ कविता वैष्णव ने हिंदी भाषा के इतिहास, साहित्य, सामासिक बोध एवं वैश्विक आयामों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा हमारी पहचान है। इसका दिवस एक दिन नहीं बल्कि यह जीवन की प्रत्येक दिवस की हमारी अस्मिता का परिचायक है। अभिषेक सोनवानी ने अपनी स्वरचित कविता का पाठ किया। भीषम सिन्हा ने माखनलाल चतुर्वेदी और जयशंकर प्रसाद की कविता का पाठ किया। डॉ भुवाल सिंह ठाकुर ने कहा कि हिंदी मात्र एक भाषा नहीं, बल्कि एक जीवन प्रणाली है। डॉ ठाकुर ने प्रवासी हिंदी लेखन, पुरषोत्तमदास टण्डन, महात्मा गांधी और पंडित गौरीदत्त के जय नागरी आंदोलन के साथ फादर कामिल बुल्के को याद किया। इस मौके पर प्राध्यापक डॉ संजय शर्मा, रामकिशोर यादव, आनंद सोनी आदि उपस्थित थे।